

भारत सरकार  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय  
बायोटेक्नोलॉजी विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3111  
उत्तर देने की तारीख : 11 मार्च, 2026

पशुजन्य रोग

3111. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या गत कुछ वर्षों के दौरान देश में पशुजन्य रोगों के मामलों में अचानक वृद्धि हुई है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) क्या मनुष्यों को प्रभावित करने वाली नई बीमारियां मुख्य रूप में पशुजन्य रोगों या पशु उत्पादों से उत्पन्न हो रही हैं;
- (घ) यदि हां; तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ.) सरकार द्वारा इस संबंध में टीका बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का विभाग-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) (ख) (ग) और (घ) भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने देश भर में बीमारियों के प्रकोप की चेतावनी शीघ्र जारी करने और त्वरित प्रतिक्रिया को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) शुरू किया है। आईडीएसपी के अंतर्गत दर्ज किये जाने वाले कुछ सामान्य पशुजन्य रोग हैं: स्क्रब टाइफस, लेप्टोस्पाइरोसिस, मानव रेबीज, क्यासानूर वन रोग (केएफडी), क्रीमियन कांगो हेमोरेजिक फीवर (सीसीएचएफ), निपाह वायरस रोग और वेस्ट नाइल फीवर।

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम - एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईडीएसपी-आईएचआईपी) के अंतर्गत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा एल-फॉर्म पर दर्ज किए गए केएफडी, लेप्टोस्पाइरोसिस और स्क्रब टाइफस के मामलों का वर्षवार विवरण अनुलग्नक-I के रूप में संलग्न है।

वर्ष 2022 से वेस्ट नाइल फीवर, निपाह वायरस रोग, सीसीएचएफ और मानव रेबीज के प्रकोप के दौरान दर्ज किए गए मामलों का राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार ब्यौरा अनुलग्नक-II के रूप में संलग्न है।

देश में पशुजन्य रोगों में वृद्धि (यदि कोई हो) के संभावित कारण क्षमता निर्माण में सुधार, बेहतर प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, सुदृढ़ निदान सुविधाएं और व्यापक जागरूकता अभियान हो सकते हैं, जिनसे मामलों को बेहतर तरीके से पता लगाने और रिपोर्टिंग में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, मानव-वन्यजीव संपर्क का विस्तार, तीव्र शहरीकरण और जलवायु परिवर्तनशीलता जैसे कारक भी रोगों के प्रसार की प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे रहे हैं।

(ड.) इस संबंध में वैक्सीनों के विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का विवरण नीचे दिया गया है।

विभाग/मंत्रालय	पहल
बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	<p>1. तिरुवनंतपुरम स्थित ब्रिक-राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरजीसीबी) रेबीज वायरस को नियंत्रित करने के लिए जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की क्षमता का पता लगा रहा है और साथ ही टीकाकरण और उपचार दोनों दृष्टिकोणों से रेबीज वायरस को लक्षित करने की रणनीतियों पर भी काम कर रहा है।</p> <p>2. ब्रिक-आरजीसीबी डेंगू और जीका वायरस के लिए उन्नत बहु-प्रतिजनित डीएनए और वृत्ताकार आरएनए (सीआईआरसी आरएनए) आधारित वैक्सीनों पर भी काम कर रहा है।</p> <p>3. ब्रिक-ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (ब्रिक-टीएचएसटीआई) और ब्रिक-आरजीसीबी संयुक्त रूप से निपाह वायरस के विरुद्ध मोनोक्लोनल एंटीबॉडी पर काम कर रहे हैं और उन्होंने भारत (आवेदन संख्या: 202411037094, दिनांक 10 मई, 2024) और बांग्लादेश (आवेदन संख्या: 167/2025, दिनांक 12 मई, 2025) में अनंतिम पेटेंट के लिए आवेदन किया है।</p> <p>4. ब्रिक-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (ब्रिक-एनआईआई) जापानी एन्सेफलाइटिस और डेंगू के लिए दो अगली पीढ़ी के, पूरी तरह से स्वदेशी वैक्सीन कैंडिडेट तैयार कर रहा है।</p> <p>5. ब्रिक-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (ब्रिक-एनआईआई) यूरोपीय संघ के अनुसंधान समूहों के साथ मिलकर दो अगली पीढ़ी के इन्फ्लूएंजा वैक्सीन विकसित करने पर भी काम कर रहा है: (i) कम्प्यूटेशनल रूप से अनुकूलित व्यापक रूप से प्रतिक्रियाशील प्रतिजन (कोबरा) वैक्सीन, और (ii) प्रतिजन-प्रस्तुत करने वाली कोशिका लक्षित डीएनए (एपीसी-मिक्स) वैक्सीन। ये सर्व-व्यापी अगली पीढ़ी के वैक्सीन इन्फ्लूएंजा वायरस के किसी भी उभरते हुए स्ट्रेन जिनमें सूअरों या पक्षियों से उत्पन्न होने वाले स्ट्रेन भी शामिल हैं, से मनुष्यों को प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे।</p> <p>6. ब्रिक-राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (ब्रिक-एनआईएबी)</p>

	<p>ब्रुसेलोसिस, लेप्टोस्पाइरोसिस, तपेदिक, पैराट्यूबरकुलोसिस, टॉक्सोप्लाज्मोसिस और रेबीज जैसे पशु-जन्य रोगों के विरुद्ध संभावित वैक्सीन कैंडिडेट की पहचान के लिए अनुसंधान कर रहा है, जिनका प्रयोग मुख्य रूप से पशुओं के लिए किया जाएगा।</p> <p>7. ब्रिक-राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र (ब्रिक-एनसीसीएस) आईआईएसईआर भोपाल के साथ मिलकर निपाह वैक्सीन कैंडिडेट पर काम कर रहा है और म्यूरिन मॉडल में इसके प्रभाव का परीक्षण कर रहा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नैदानिक अनुप्रयोग के लिए निपाह प्रोटीन के विरुद्ध काइमेरिक एंटीबॉडी भी विकसित की हैं।</p>
<p>वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय</p>	<p>सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीएसआईआर-सीसीएमबी) अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा पर काम कर रहा है। हालांकि ये वायरस पोल्ट्री में उच्च मृत्यु दर का कारण बनते हैं और मनुष्यों के लिए पशुजन्य जोखिम उत्पन्न करते हैं, तथापि पिछले एक वर्ष में मनुष्यों में किसी भी प्रकोप या मामलों में अचानक वृद्धि की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी तैयारियों को सुदृढ़ बनाने के लिए, संस्थान ने अपशिष्ट जल, झीलों, पोल्ट्री फार्मों के परिसर और प्रवासी पक्षियों के आवासों में वायरस का पता लगाने के लिए मानकीकृत पर्यावरणीय निगरानी प्रोटोकॉल स्थापित किए हैं। ये सतत निगरानी तंत्र सरकारी प्राधिकारियों को प्रारंभिक चेतावनी प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं, जिससे बड़े पैमाने पर प्रकोपों की रोकथाम के लिए सक्रिय उपाय किए जा सकें।</p>

इन प्रयासों के अतिरिक्त, बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) अपने गैर-लाभकारी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) के माध्यम से नवाचार-संचालित अनुसंधान को बढ़ावा देता है। बाइरैक स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान एवं विकास के लिए आवश्यक निधि प्रदान करता है, जिसमें पशु जन्य रोगों के वैक्सीनों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह निधि निम्नलिखित तंत्रों के माध्यम से प्रदान की जाती है:

जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन अनुदान (बीआईजी): यह कार्यक्रम विभिन्न जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाओं को वित्त पोषित करता है, जिनमें पशु जन्य रोगजनकों पर केंद्रित परियोजनाएं भी शामिल हैं।

पशु जन्य रोगों के लिए वैक्सीन विकास से संबंधित बीआईजी समर्थित परियोजनाओं की सूची:

क्रम सं.	स्टार्टअप / अनुदान प्राप्तकर्ता का नाम	परियोजना का नाम
1	जेनिरॉन बायोलैब्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक, भारत	आवारा कुत्तों में रेबीज और प्रतिरक्षा अवरोधन के लिए बाइसिस्ट्रोनिनिक स्व-प्रतिकृति डीएनए वैक्सीन

2	पेंटावेलेंट बायो साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, कर्नाटक	पेंटाफ्लूवैक: पक्षियों, सूअरों और मनुष्यों में इन्फ्लूएंजा के लिए एक स्वदेशी प्रतिकृति- अक्षम वायरल वैक्सीन
3	अमातेरासु लाइफसाइंसेज एलएलपी, मुंबई, महाराष्ट्र	मलेरिया के उपचार के लिए नवीन एकल खुराक इंजेक्शन थेरेपी - एसआईडीएमआई एकल खुराक -मलेरिया रोधी इंजेक्शन
4	डॉ. श्वेता राघवन, बेंगलुरु, कर्नाटक	डेंगू से बचाव के लिए एमआरएनए-एलएनपी आधारित वैक्सीन का विकास
5	मफिन हेल्थ एंड लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड, चंडीगढ़	कीमो एटिन्यूएटेड ब्लड स्टेज मलेरिया वैक्सीन
6	श्री अरुण शंकरदास, बेंगलुरु, कर्नाटक	डेंगू वायरस के लिए नवीन सहायक नैनोप्लास्मिड आधारित डीएनए वैक्सीन का विकास: उभरती संक्रामक बीमारियों और 'समान स्वास्थ्य' प्रणाली के लिए इस मंच का विस्तार करने के अवसर।

महामारी की तैयारी संबंधी नवाचार गठबंधन (सीईपीआई) के भारतीय नेटवर्क (इंड सीईपीआई) को उभरते संक्रामक रोगों (ईआईडी) के लिए वैक्सीन तैयार करने का कार्य सौंपा गया है, और यह वैश्विक सीईपीआई प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करता है। सितंबर 2025 में औपचारिक रूप से स्वीकृत त्रिपक्षीय सहभागिता रणनीति के तहत, डीबीटी, बाइरैक और सीईपीआई ने संभावित प्रकोपों के विरुद्ध भारत की वैक्सीन विकास क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए पांच वर्षीय सहयोगात्मक ढांचा तैयार किया है।

अनुलग्नक I

एल फार्म के आधार पर आईडीएसपी-आईएचआईपी पोर्टल पर 2022-2026* के दौरान भारत में रिपोर्ट किए गए अभिचिन्हित पशुजन्य रोगों के मामले			
वर्ष	क्यासानूर वन रोग	लेप्टोस्पायरोसिस	स्क्रब टाइफस
	मामले	मामले	मामले
2022	54	10191	32364
2023	23	14217	55077
2024	373	18997	70366
2025	197	19073	86895
2026*	80	2306	10861
कुल	<b>727</b>	<b>64784</b>	<b>255563</b>
यह डाटा आईडीएसपी-आईएचआईपी पोर्टल से 06/03/2026 को 3:25 अपराह्न तक निकाला गया है। *वर्ष 2025 के लिए आंकड़े 6 मार्च 2026 तक के हैं।			

अनुलग्नक II

2022-2026* के दौरान आईडीएसपी के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए पशुजन्य रोग प्रकोपों के मामले						
रोग का नाम	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	2022	2023	2024	2025	2026*
वेस्ट नाइल फीवर	केरल	2	9	5	6	-
निपाह वायरस रोग	केरल	-	6	2	4	-
	पश्चिम बंगाल	-	-	-	-	2
सीसीएचएफ	गुजरात	4	6	-	3	2
	राजस्थान	-	-	1	-	-
मानव रेबीज	अरुणाचल प्रदेश	-	2	4	3	-
	असम	1	12	14	6	-
	जम्मू और कश्मीर	-	1	3	6	-
	झारखंड	-	-	2	-	-
	कर्नाटक	10	21	5	-	-
	मध्य प्रदेश	-	-	1	7	-
	महाराष्ट्र	-	-	1	1	-
	मणिपुर	-	-	4	3	-
	मेघालय	-	9	13	10	-
	नागालैंड	-	-	1	4	-
	तमिलनाडु	-	-	2	1	-
	उत्तर प्रदेश	-	-	-	3	-
	पश्चिम बंगाल	-	-	-	1	-
नोट * 2026 के आंकड़े 18/01/2026 तक (तीसरे सप्ताह) के हैं। रिक्त प्रकोष्ठ से तात्पर्य है कि उस वर्ष कोई प्रकोप रिपोर्ट नहीं हुआ।						

\*\*\*\*\*